>

Title : Drought situation in Nawada District of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): बिहार में नवादा जिला शाश्वत भयानक सूखे का गवाह बना हुआ है। यहां की धरती प्यासी है, नदियां सूखी हैं। धरती के नीचे गोविन्दपुर, कौठना कोल, पकरी बरॉवा प्रखंडों में पानी का स्तर नहीं है। इसे केन्द्र सरकार ने सूखा ग्रसित क्षेत्र 20 वर्ष पहले घोषित किया था और राहत के लिए आर्थिक अनुदान भी प्रतिवÂर्ष स्वीकृत किया था, जिसे 1995-96 से बंद कर दिया गया था। अपर सकरी नहर परियोजना ठांठर, धनंजय नदी परियोजनाएं अधर में लटकी पड़ी है। सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप बंद पड़े हैं, कार्यान्वयन की योजनाएं मृत पड़ी हैं। जनता प्यासी, भुखमरी की दहलीज पर चीत्कार कर रही है। राज्य सरकार भी इसका सामना करने में साधनहीन महसूस करती है।

मैं नवादा की इस संत्रास सूखे से प्रताड़ित जनता की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं कि वह इस ओर ध्यान देकर समाधान का कारगर क्दम उठाए।